

पँवरिया पुं. (देश.) 1. द्वारपाल, दरबान, प्रहरी 2. घर में मांगलिक अवसर होने पर, पुत्र जन्म या विवाह आदि के समय द्वार पर बैठकर मांगलिक गीत गाने वाला याचक, दाढ़ी।

पँवरी स्त्री. (देश.) 1. झ्यौड़ी घर का प्रवेश द्वार 2. खड़ाऊँ, पादत्राण, पौवरी।

पँवाड़ा पुं. (देश.) 1. कपोल-कथा, कल्पित कथा या आख्यान, कहानी, उबाने वाली कथा 2. बढ़ा-चढ़ाकर कही गई बात, व्यर्थ विस्तार दी गई कथा 3. एक प्रकार का प्रशस्ति गीत जिसमें वंश की स्तुति या शौर्य कीर्ति गाई जाती है।

पँवार पुं. (तद्.) 1. राजपूतों की एक जाति परमार, पवार 2. प्रवाल, मूंगा।

पँवारना क्रि.स. (प्रवारण) दूर करना, हटाना, या फेंकना।

पँवारा पुं. (देश.) 1. यश या कीर्ति की गाथा, 2. वीरता या वीरों का आख्यान।

पँवारी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का औजार जिससे लौहार लोहे में छेद करता है।

पँसरहट्टा पुं. (देश.) [पंसारी+हाट] ऐसा बाजार जहाँ पंसारियों की दुकाने हों।

प (प्रत्यय) जो कुछ शब्दों के अंत में लगाकर विभिन्न अर्थ देता है **वि.** (तत्.) 1. पीने वाला जैसे पादप (पैरों से जल, पीने वाला वृक्ष), मद्यप 2. रक्षक, शासक या पालक, जैसे- गोप, नृप, क्षितिप पुं. (तत्.) 1. वायु 2. पत्ता; पत्र 3. अंडा 4. संगीत में 'प' पंचम स्वर के संक्षिप्त रूप में स्वीकृत।

पकड़ स्त्री. (देश.) 1. पकड़ने की क्रिया 2. किसी विषय, बात या भूल आदि को समझने की विशिष्ट क्षमता या दक्षता जैसे- 'इस विषय में उसकी पकड़ बहुत मजबूत है। 3. फिरौती या धन प्राप्ति के लक्ष्य से किसी व्यक्ति को पकड़ कर ले जाने की क्रिया; 'पकड़' यथा- उस सेठ के बच्चों की 'पकड़' हो गई। 2. पकड़ में आना-काबू या गिरफ्त में आना।

पकड़-धकड़ स्त्री. (अनु.) धर-पकड़, पुलिस द्वारा आरोपी की धर-पकड़ या पकड़ कर ले जाने की क्रिया।

पकड़ना स.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु अथवा व्यक्ति को दृढ़ता से पकड़ना, थामना, ग्रहण करना 2. खोज निकालना, जैसे-गलती पकड़ना 3. किसी का पीछा करते हुए उसके निकट पहुँचना या छू लेना 4. बंदी बनाना, गिरफ्तार करना, चोर को पकड़ना 5. समझ लेना यथा- किसी बात के निहितार्थ को पकड़ना या समझ लेना 6. रोक लेना या स्थिर करना जैसे- मारने वाले का हाथ पकड़ना, बोलते हुए को रोककर उसकी ज़बान पकड़ना 7. फैलना, विस्तार पाना जैसे- आग पकड़ गई, कपड़े ने रंग पकड़ लिया 8. आक्रांत करना-ग्रस लेना जैसे- रोग पकड़ना आदि।

पकड़वाना प्रे.क्रि. (देश.) किसी अन्य व्यक्ति से किसी को पकड़ने की क्रिया या कार्य कराना, ग्रहण करवाना 2. किसी व्यक्ति या वस्तु को थमाने, उठवाने में सहायता देना 3. चोरी, डकैती या अन्य अपराध के आरोपी को पकड़ने में पुलिस का सहयोग लेना।

पकड़ाना स.क्रि. (देश.) किसी दूसरे को कुछ थमाना, हाथ में सौंपना 2. ग्रहण कराना।

पकना अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी वस्तु या सामग्री का कच्चा न रहना जैसे- अनाज या फसल का पकना, फल पकना, अग्नि पर बरतन में चढ़ाई हुई वस्तु का पकना, तैयार होना, खाना पकना 2. किसी घाव या फोड़े-फुंसी का पकना।

पकला पुं. (देश.) फोड़ा।

पकवान पुं. (तद्.) पकाया हुआ अन्न, ऐसी भोज्य वस्तु जो पकायी गई हो, अग्नि पर घी या तेल में पका कर तैयार की गई खाद्य सामग्री।

पकवाना स.क्रि. (तद्.) 1. पकाने का काम किसी अन्य व्यक्ति से कराना 2. किसी अन्य के